देखो जी मोपे सतगुरू भली रे विचारी भजन लिरिक्स

देखो जी मोपे,
सतगुरू भली रे विचारी,
भवसागर से तार दिया है,
कर दी मोक्ष हमारी,
देखों जी मोपे,
सतगुरू भली रे विचारी।bd।

सतगुरू मेरा मैं सतगुरू का,
युगन युगन गुरुधारी,
असंग युगा री प्रीत आगली,
अब के लियो हे उबारी,
देखों जी मोपे,
सतगुरू भली रे विचारी।bd।

गुरू बिन जीव पशु ज्यूँ होता,
सो गुरू हम ते तारे,
डुबत गें्द तिरीयो भव सागर,
सतगुरू दी सनकारी,
देखों जी मोपे,
सतगुरू भली रे विचारी।bd।

सतगुरू किरपा किनी मोपे,
निंदरा कर दी न्यारे,
उठत बैठत तार ना टुटे,
सोवत जागत तारे,
देखों जी मोपे,
सतगुरू भली रे विचारी।bd।

अवगुण दुर कियो मेरे सतगुरू,
गुण किनो है भारी,
नवला रे नेम कभी नही छूटे,
भगत अनंत ऊबारी,
देखों जी मोपे,
सतगुरू भली रे विचारी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

देखो जी मोपे,
सतगुरू भली रे विचारी,
भवसागर से तार दिया है,
कर दी मोक्ष हमारी,
देखों जी मोपे,
सतगुरू भली रे विचारी।bd।

स्वर – दिलीप जी गवैया।
प्रेषक – दिनेश दास जी।
साहपुरा जीला जयपुर
8290236813

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com